उद्योग सूचकांक दिसंबर में 3.8% बढ़ा

कोयला, गैस, सीमेंट और बिजली उत्पादन में बढ़ोतरी से आई तेजी

नई दिल्ली, 22 दिसंबर. देश के आठ प्रमुख उद्योगों के प्रदर्शन में दिसंबर 2021 के दौरान मजबूती देखने को मिली है. उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, आठ प्रमुख उद्योगों का संयुक्त सूचकांक दिसंबर 2021 में सालाना आधार पर 3.8 प्रतिशत बढ़ा है.

इस दौरान कोयला, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, सीमेंट और बिजली उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई. डीपीआईआईटी के आर्थिक सलाहकार कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2021 में आठ कोर उद्योगों का संयुक्त सूचकांक 141.3 रहा, जो दिसंबर 2020 की तुलना में 3.8 प्रतिशत अधिक है. ये आठ कोर उद्योग—कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली—औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के कुल भारांक का 40.27 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं, जिससे इनका प्रदर्शन देश की औद्योगिक सेहत का अहम संकेतक माना जाता है.

रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2021 के लिए आईसीआई की वृद्धि दर को अनंतिम 4.4 प्रतिशत से संशोधित कर 5.4 प्रतिशत कर दिया गया है. वहीं अप्रैल से दिसंबर 2021 की अवधि में कोर उद्योगों की संचयी वृद्धि दर 12.6 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में बेहतर प्रदर्शन को दर्शाती है.

> उद्योगवार आंकड़ों पर नजर डालें तो दिसंबर 2021 में कोयला उत्पादन 5.2 प्रतिशत बढ़ा, जबकि प्राकृतिक गैस उत्पादन में उल्लेखनीय 19.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई. पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद 5.9 प्रतिशत और सीमेंट उत्पादन 12.9 प्रतिशत बढ़ा. बिजली उत्पादन में भी 2.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई.

क्रेडिट कार्ड नियम बदले खर्च करना पड़ेगा भारी

नई दिल्ली. 22 दिसंबर नए साल की शुरुआत से पहले ही आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड यूजर्स के लिए एक अहम खबर सामने आई है. अगर आप आईसीआईसीआई बैंक का क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करते हैं, तो जनवरी 2026 से आपकी जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है.

बैंक ने अपने लगभग सभी रिटेल क्रेडिट कार्ड्स के लिए शुल्क, रिवॉर्ड स्ट्रक्चर और कई सुविधाओं में बड़े बदलावों का ऐलान किया है. इन बदलावों के तहत जहां कुछ ट्रांजैक्शंस पर पहले से ज्यादा चार्ज वसूला जाएगा, वहीं कई लोकप्रिय कार्ड्स पर मिलने वाले रिवॉर्ड पॉइंट्स और ऑफर्स को सीमित या खत्म कर दिया गया है. बैंक के मुताबिक ये नए नियम जनवरी और फरवरी 2026 के बीच चरणबद्ध तरीके से लागू होंगे. ऑनलाइन गेमिंग, थर्ड पार्टी वॉलेट लोड, ट्रांसपोर्ट बुकिंग और सुपर-प्रीमियम कार्डधारकों से जुड़े बदलाव इस बार सबसे ज्यादा चर्चा में हैं. खासतौर पर एमराल्ड सीरीज कार्ड यूजर्स को नए नियमों से बड़ा झटका लग सकता है. ऐसे में नए साल से पहले इन बदलावों को समझना हर कार्डधारक के लिए जरूरी हो गया है. आईसीआईसीआई बैंक ने हाल के वर्षों में अपने क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो में सबसे व्यापक बदलावों की घोषणा की है. क्रेडिट कार्ड रूल चेंज के तहत सबसे बड़ा बदलाव ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े लेन-देन को लेकर किया गया है.

साल भर में सोने-चांदी के दाम में आया भारी उछाल

राऊंडअप 2025

नई दिल्ली, 22 दिसंबर. साल 2025 के आखिरी हफ्ते में सोने और चांदी की कीमतों में मामूली बदलाव देखने को मिल रहा है. दिसंबर के अंतिम दिनों में जहां सोने के भाव में हल्की गिरावट दर्ज की गई है, वहीं चांदी इस गिरावट के साथ ही एक किलो चांदी की कीमत घटकर 2,13,900 रुपये हो गई है, यानी एक दिन में करीब 100 रुपये की नरमी दर्ज की गई है.

के दाम लगभग स्थिर बने हुए हैं. निवेशकों और आम खरीदारों के लिए यह दौर खास बना हुआ है, क्योंकि बाजार में बड़े उतार-चढ़ाव की जगह फिलहाल स्थिरता नजर आ रही है.

21 दिसंबर को सोने के दाम जहां स्थिर रहे थे, वहीं 22 दिसंबर 2025 को कीमतों में हल्की नरमी आई है. दूसरी ओर, चांदी ने 21 दिसंबर की तेज़ी के बाद 22 दिसंबर को थोड़ा ब्रेक लिया है. कुल मिलाकर दिसंबर के आखिरी हफ्ते में कीमती धातुओं के बाजार में सीमित दायरे में ही कारोबार हो रहा है.

चांदी की कीमतों में अब हल्की राहत देखने को मिली – लगातार तेज़ी के बाद चांदी की कीमतों में अब हल्की राहत देखने को मिली है. 21 दिसंबर को चांदी 214 रुपये प्रति ग्राम के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई थी, लेकिन 22 दिसंबर को इसमें मामूली गिरावट दर्ज की गई. ताजा भाव के अनुसार चांदी 213.90 रुपये प्रति ग्राम पर आ गई है.

अब खरीदार क्या सोचें?

फिलहाल सोने में हल्की नरमी और चांदी में ठहराव देखने को मिल रहा है. ऐसे में जो लोग शादी या निवेश के लिए खरीदारी की योजना बना रहे हैं, उनके लिए यह समय दामों पर नजर रखने का है, क्योंकि छोटे बदलाव भी आगे चलकर बड़ा असर डाल सकते हैं.

भारत के प्रमुख शहरों में आज 1 ग्राम सोने के भाव इस प्रकार हैं

चेन्नई में 24 कैरेट सोने की कीमत 13,527 रुपये प्रति ग्राम है, जबकि 22 कैरेट सोना 12,399 रुपये और 18 कैरेट सोना 10,344 रुपये प्रति ग्राम के भाव पर बिक रहा है.

मुंबई में 24 कैरेट सोने का दाम 13,417 रुपये प्रति ग्राम दर्ज किया गया है. वहीं 22 कैरेट सोना 12,299 रुपये और 18 कैरेट सोना 10,063 रुपये प्रति ग्राम के स्तर पर है. दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 13,432 रुपये प्रति ग्राम है, जबकि 22 कैरेट सोना 12,314 रुपये और 18 कैरेट सोना 10,078 रुपये प्रति ग्राम बिक रहा है.

कोलकाता में भी 24 कैरेट सोने का भाव 13,417 रुपये प्रति ग्राम है. यहां 22 कैरेट सोना 12,299 रुपये और 18 कैरेट सोना 10,063 रुपये प्रति ग्राम के भाव पर उपलब्ध है.

बेंगलुरु में 24 कैरेट सोना 13,417 रुपये प्रति ग्राम पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 12,299 रुपये और 18 कैरेट सोने की कीमत 10,063 रुपये प्रति

साल 2025 : सोना-चांदी में ऐतिहासिक उछाल

साल 2025 सोने और चांदी के निवेशकों के लिए यादगार साबित हुआ. इस वर्ष दोनों कीमती धातुओं ने रिकॉर्ड स्तर छुए और निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया. वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अनिश्चितता और डॉलर की कमजोरी के बीच निवेशकों ने सोना-चांदी को सुरक्षित निवेश के तौर पर चुना, जिसका सीधा असर कीमतों पर दिखा. 2025 में सोने ने लगभग 65ङ्क68 प्रतिशत तक की मजबूती दिखाई और घरेलू बाजार में यह रु.1 लाख प्रति 10 ग्राम के पार निकल गया. साल के अंत तक दिल्ली में सोने की कीमत करीब रु.1.24 लाख प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई.

वाहन फाइनेंसिंग पर फोकस जारी रखेगी श्रीराम फाइनेंस

नयी दिल्ली, 22 दिसंबर. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी श्रीराम फाइनेंस ने जापान के एक बैंक से करीब 4.4 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा के बाद बैंकिंग में जाने की अटकलों को खारिज करते हुए सोमवार को कहा कि हम इस काम में खुश हैं और कंपनी फिलहाल वाहन फाइनेंसिंग पर फोकस जारी रखेगी.

कंपनी ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि जापान का एमयूएफजी बैंक 39,618 करोड़ रुपये (लगभग 4.4 अरब डॉलर) के निवेश के साथ कंपनी में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करेगा. इस निवेश को अभी नियामकीय मंजूरी मिलनी शेष है. श्रीराम फाइनेंस के कार्यकारी उपाध्यक्ष उमेश रेवणकर ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बैंकिंग क्षेत्र में उतरने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा, बैंकिंग लाइसेंस के बारे में फिलहाल कोई चर्चा नहीं हुई है. हम उन लोगों को लोन देते हैं जो बैंकिंग से नहीं जुड़े हैं या जिनके पास बैंकिंग तक सीमित पहुंच है, और हम इस काम में खुश हैं. मौजूदा व्यवसाय आगे बढ़ाने के लिए हमारे पास पर्याप्त अवसर हैं.

लोन लेने वालों को एक बार फिर मिलेगी राहत

नयी दिल्ली, 22 दिसंबर. केंद्रीय बजट 2026 को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं और इसी बीच एक बड़ा सवाल सामने आ रहा है-क्या वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को, जो कि रविवार है, संसद में बजट पेश करेंगी? आमतौर पर बजट कार्यदिवस में पेश किए जाने की परंपरा रही है, लेकिन हाल के वर्षों में सरकार ने इस परंपरा को लेकर लचीलापन दिखाया है.

दरअसल, 1 फरवरी 2026 रविवार को पड़ रहा है और ऐसे में बजट की तारीख को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है. हालांकि सरकार की ओर से मिले संकेत बताते हैं कि यदि संसद सत्र को लेकर सभी औपचारिक तैयारियां पूरी रहती हैं, तो रविवार को भी बजट पेश किया जा सकता है. इससे पहले भी सरकार विशेष परिस्थितियों में छुट्टी के दिन संसद की कार्यवाही करा चुकी है.

> भारतीय रिजर्व बैंक ने भी 2025 में कई बार रेपो रेट में कटौती की है, जिसमें फरवरी में 0.25प्रतिशत की कटौती शामिल है, और दिसंबर 2025 की मीटिंग में भी 0.25प्रतिशत की कमी करके इसे 5.25प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे लोन सस्ते हुए हैं और लोगों की ईएमआई में राहत मिली है. यह कटौती अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और महंगाई को नियंत्रण में रखने के लिए की गई है, जिससे भविष्य में और भी कटौती की उम्मीद है, अगर महंगाई आरबीआई के लक्ष्य में रहती है. यदि ऐसा होता है, तो संसद का विशेष सत्र बुलाकर रविवार को बजट पेश किया जाएगा. विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा व्यवस्था में बजट पेश करने के लिए किसी विशेष कानूनी बाधा का सामना नहीं करना पड़ता, चाहे वह दिन रविवार ही क्यों न हो.

बजट 2026 को इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि यह आर्थिक विकास, महंगाई नियंत्रण, रोजगार सृजन और मध्यम वर्ग को राहत जैसे मुद्दों पर सरकार की दिशा तय करेगा. ऐसे में बजट की तारीख और दिन को लेकर हर अपडेट पर बाजार और आम जनता की नजर बनी हुई है.

केंद्रीय बजट 2026 को लेकर एक अहम अपडेट सामने आया है, जिसने राजनीतिक और आर्थिक हलकों में चर्चा तेज कर दी है. 1 फरवरी 2026 को रविवार होने के कारण यह सवाल उठ रहा है कि क्या वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उस दिन संसद में बजट पेश करेंगी या फिर बजट की तारीख में बदलाव किया जाएगा. सूत्रों के मुताबिक, सरकार बजट को तय समय यानी 1 फरवरी को ही पेश करने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रही है, भले ही वह दिन रविवार क्यों न हो.

भारतीय शेयर बाजारों में दिखी तेजी

638 अंक से उछला सेंसेक्स

206 अंक से आगे रहा निफ्टी

मुंबई, 22 दिसंबर. विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को तेजी रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 638.12 अंक (0.75 प्रतिशत) उछलकर 85,567.48 अंक पर बंद हुआ.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 206 अंक यानी 0.79 फीसदी की बढ़त में 26,172.40 अंक पर पहुंच गया. यह दोनों सूचकांकों का 05 दिसंबर के बाद का उच्चतम स्तर है.

मझौली और छोटी कंपनियों में भी निवेशकों ने खूब पैसा लगाया. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.76 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100.17 प्रतिशत मजबूत हुआ. टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों को छोड़कर सभी सेक्टरों के सूचकांकों में तेजी रही.

आईटी और धातु सेक्टरों में सबसे अधिक तेजी रही. रसायन, ऑटो, फार्मा, स्वास्थ्य और तेल एवं गैस समूहों में भी अच्छी मजबूती देखी गयी. सेसेक्स में ट्रेंट का शेयर करीब साढ़े तीन प्रतिशत और इंफोसिस का तीन प्रतिशत चढ़ा.

चावल, चीनी, दालें मजबूत खाद्य तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली, 22 दिसंबर (वार्ता) घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल के औसत भाव बढ़ गये जबकि गेहूं में गिरावट रही. चीनी और दालों की कीमतों में भी तेजी रही. वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया. औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 113 रुपये बढ़कर 3,853 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी. गेहूं 14 रुपये टूटकर 2,856 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर आ गयी. आटे की कीमत 13 रुपये घट गयी. दाल-दलहनों में तेजी रही. तुअर दाल की कीमत औसतन 207 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी.

सेंसेक्स में शामिल हुई इंडिगो

मुंबई, 22 दिसंबर. इंडिगो ब्रांड के नाम से विमान सेवा प्रदान करने वाली कंपनी इंटरग्लोबल एविएशन सोमवार से सेंसेक्स में शामिल हो गयी. बीएसई के सेंसेक्स में कुल 30 कंपनियां होती हैं. इंडिगो इसमें शामिल होने वाली एकमात्र एयरलाइंस बन गयी है.

पहले दिन उसका शेयर 5.90 रुपये गिरकर 5,143.25 रुपये रह गया. हाल के दिनों में परिचालन को लेकर संकट में रही कंपनी को यात्रियों के भारी गुस्से का सामना करना पड़ा था. कंपनी का शेयर 18 अगस्त 2025 को 6,225.05 रुपये पर रहा था. लेकिन दिसंबर के पहले सप्ताह में परिचालन संकट के कारण यह 4,642.15 रुपये तक टूट गया था. सेंसेक्स में कंपनी ने टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स की जगह ली है. टाटा मोटर्स ने पिछले दिनों अपने यात्री वाहन और वाणिज्यिक वाहन कारोबारों को अलग किया था जिससे टीएमपीवी का मूल्यांकन कम हुआ है और वह सेंसेक्स से बाहर हो गयी है.

समाचार विशेष

पहली बार दोनों सदन नेता प्रतिपक्ष विहीन

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र 14 दिसंबर को समाप्त हुआ. हर साल की तरह शीतकालीन सत्र का आयोजन नागपुर में हुआ. आठ से 14 दिसंबर तक विधानसभा की कार्यवाही चली. अब महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के एक साल हो गए हैं और यह पहली बार हो रहा है कि दोनों सदनों में नेता प्रतिपक्ष नहीं हैं. महाराष्ट्र विधानसभा मंडल के दोनों सदन बिना मुख्य विपक्षी पार्टी के हैं और एक साल से कामकाज चल रहा है.

हालांकि ऐसा नहीं है कि किसी पार्टी को मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा नहीं देने या नेता प्रतिपक्ष नहीं बनाने से कोई कामकाज प्रभावित हो रहा है. लेकिन मुख्य विपक्षी पार्टी और नेता प्रतिपक्ष दोनों भारत में अपनाई गई संसदीय प्रणाली का हिस्सा हैं.

दिलचस्प बात यह है कि विधानसभा में तो सरकार 10 फीसदी सीट के एक कथित नियम का हवाला देकर किसी पार्टी को मुख्य विपक्षी पार्टी नहीं बनने दे रही है लेकिन विधान परिषद में तो कांग्रेस के पास कुल संख्या के 10 फीसदी से ज्यादा विधान पार्षद हैं, फिर भी उसे मुख्य विपक्षी पार्टी और उसके नेता को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं दिया जा रहा है. महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्यों की कुल संख्या 78 है और कांग्रेस के पास आठ पार्षद हैं. यानी 10 फीसदी से ज्यादा है. उद्धव ठाकरे की शिव सेना के पास पांच और शरद पवार की एनसीपी के दो सदस्य हैं. यानी महाविकास अघाड़ी के पास 15 विधान पार्षद हैं. अगर 10 फीसदी के नियम को मानें तब भी कांग्रेस के नेता को नेता विपक्ष का दर्जा मिलना चाहिए लेकिन सरकार और सभापति की ओर से इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है. कांग्रेस की ओर से आधिकारिक रूप से बंटी पाटिल को विधान परिषद में पार्टी का नेता चुने जाने और उनको नेता प्रतिपक्ष का दर्जा देने की चिट्ठी दी गई है लेकिन कोई सुनवाई नहीं है.

विधानसभा में उद्धव ठाकरे की शिव सेना के पास 20 विधायक हैं, कांग्रेस के 16 और शरद पवार की पार्टी के 10 विधायक हैं. यानी विपक्षी गठबंधन के पास 46 विधायक हैं.

उद्धव ठाकरे की पार्टी का दावा

महाराष्ट्र में एक परंपरा के तौर पर 10 फीसदी का नियम चलता है लेकिन कानून ऐसा नहीं कहता है. इसी नाते पिछली विधानसभा में कांग्रेस के विजय वड्डेटीवार नेता प्रतिपक्ष थे और इस विधानसभा में उद्धव ठाकरे की पार्टी की ओर से भास्कर जाधव ने दावा किया. विपक्षी पार्टियां याद दिला रही हैं कि 1962 में 264 के सदन में कांग्रेस के 215 विधायक थे और सिर्फ 15 सीटों के साथ वर्कर्स एंड पीजंट्स पार्टी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी थी. उस समय कांग्रेस सरकार ने उसे मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा दिया. 1967 और 1972 में भी ऐसा हुआ.

नितिन के सोशल मीडिया अकाउंट बंद

एकसाथ अकाउंट्स का निष्क्रिय होना कई सवाल खड़े कर रहा

पटना. भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के बाद बिहार सरकार के मंत्री नितिन नबीन के फेसबुक, एक्स और इंस्टाग्राम प्रोफाइल फिलहाल बंद हो गया हैं. इन प्लेटफॉर्म्स पर उनके आधिकारिक हैंडल को खोलने पर खाता उपलब्ध नहीं है या यह अकाउंट काम नहीं कर रहा है जैसा मैसेज सामने आ रहा है. नितिन नबीन के राजनीतिक जीवन के इस अहम मोड़ पर एक साथ तीन बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उनके अकाउंट्स का निष्क्रिय होना कई सवाल खड़े कर रहा है.

नितिन नबीन ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के माध्यम से छात्र राजनीति में कदम रखा और इसके बाद भारतीय जनता युवा मोर्चा के जरिए सक्रिय राजनीति में आगे बढ़े. वर्तमान में वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में कैबिनेट मंत्री थे और इससे पहले भी वे नीतीश सरकार में विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं. नितिन नबीन पांचवीं बार विधानसभा चुनाव जीतकर सदन में पहुंचे हैं.

उन्होंने पहली बार वर्ष 2006 में पटना पश्चिम विधानसभा सीट से उपचुनाव जीतकर विधानसभा में प्रवेश किया था. वर्ष 2008 के परिसीमन के बाद यह सीट बांकीपुर कहलाने लगी, जहां से वे 2010 से लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं. उनके पिता नवीन किशोर सिन्हा भाजपा के दिग्गज नेताओं में शामिल थे और 1995 से अपने निधन तक पटना पश्चिम सीट से विधायक रहे थे.

भाजपा के कुर्मी दाव पर सपा की चाल

राम प्रकाश चौधरी और राकेश वर्मा को दी बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच 2027 की सियासी बिसात बिछ चुकी है. पीडीए फॉर्मूला और जातीय समीकरणों के बीच अब कुर्मी वोट बैंक पर सीधी लड़ाई दिख रही है. बीजेपी ने कुर्मी समाज को साधने के लिए पंकज चौधरी को आगे कर दिया है. मकसद साफ है कुर्मी वोटरों में सेंध लगाना.

भाजपा ने जहां पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर अपनी चाल चल दी है तो वहीं समाजवादी पार्टी भी पीछे नहीं है. सपा ने बीजेपी को जवाब देने के लिए बस्ती से सपा सांसद राम प्रकाश चौधरी और पूर्व मंत्री बेनी प्रसाद वर्मा के बेटे राकेश वर्मा को बड़ी जिम्मेदारी देकर कुर्मी समाज में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति अपनाई है.

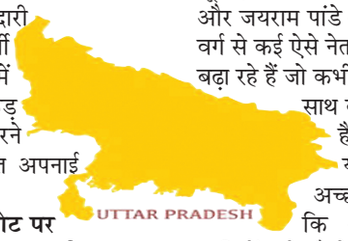

कुर्मी वोट पर सपा-भाजपा की नजर- अखिलेश यादव चुनाव से पहले नेताजी मुलायम सिंह यादव के दौर वाले जातिगत गुलदस्ते के फार्मूले पर चलते नज़र आ रहे हैं. दलित समाज से इंद्रजीत सरोज, ब्राह्मण समाज से अभिषेक मिश्रा, माता प्रसाद पांडे और संतोष पांडे, भूमिहार समाज से राजीव राय और जयराम पांडे और ओबीसी वर्ग से कई ऐसे नेता को भी आगे बढ़ा रहे हैं जो कभी कांशीराम के साथ काम कर चुके हैं. अखिलेश यादव को अच्छी तरह पता है कि अलग-अलग जातियों को कैसे साथ लेकर चुनाव में उतरना है. 2022 और 2024 में उन्होंने यह करके दिखाया है और 2027 में भी वही जातिगत गुलदस्ता लेकर मैदान में उतरेंगे.

विशेष | पुणे में साथ लड़ने की तैयारी, एनसीपी नेताओं ने शाह से की गुजारिश

अजित को अकेला नहीं छोड़ेंगे पवार!

पुणे. महायुति में रहते हुए भी डिप्टी सीएम अजित पवार के लिए बीजेपी ने मुश्किलें खड़ी कर दी है. एक ओर जहां मुंबई में बीजेपी ने पूर्व मंत्री नवाब मलिक का हवाला देकर अजित की राकां से किनारा कर लिया है. वहीं पुणे में भी बीजेपी ने फेंडली फाइट की बात कह कर अजित की सिरदर्द को बढ़ा दिया है.

हालांकि सूत्रों से खबर मिली है कि ऐसे संकट में अजित के चाचा शरद पवार ने अपने भतीजे को अकेला न छोड़ने का मन बनाया है. शरद पवार अपने भतीजे के साथ मिल कर मुंबई और पुणे की महानगरपालिका में मिल कर चुनाव लड़ने की रणनीति पर काम कर रहे हैं. बड़े पवार का मानना है कि अगर वे भी अजित की पार्टी के खिलाफ चुनाव लड़ते हैं तो इसका परोक्ष रूप से बीजेपी को फायदा मिल सकता है.

ठाकरे ब्रदर्स लड़ेंगे साथ- ऐसे में जिस तरह मुंबई में उद्धव ठाकरे ने बीजेपी का मुकाबला करने के लिए अपने चचेरे भाई राज ठाकरे के साथ हाथ मिलाने का फैसला किया है. उसी तर्ज पर अब पवार चाचा भतीजे भी गुपचुप तरीके से हाथ मिलाने की तैयारी कर रहे हैं. ताकि वे पुणे व पिंपरी चिंचवड में बीजेपी की घुसपैठ को रोक सके.

फेंडली फाइट होगी- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को पुणे दौरे पर कहा कि बीजेपी व अजित पवार की राकां पुणे और पिंपरी चिंचवड़ में एक-दूसरे के खिलाफ लड़ेंगी. उनके मुताबिक यहां पॉलिटिक्स इतनी ज्यादा है कि अगर हम साथ लड़ेंगे तो अपोजिशन को फायदा होगा.

महाराष्ट्र में हमें भी साथ में रखो

महाराष्ट्र में बीजेपी के कड़े रुख को देखते हुए अजित पवार की पार्टी के कद्दावर नेता प्रफुल पटेल व सांसद सुनील तटकरे ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाक़ात की. सूत्रों के मुताबिक राकां नेताओं ने शाह से गुजारिश करते हुए कहा है कि महाराष्ट्र के महानगरपालिका चुनाव में राकां को बीजेपी साथ गठबंधन में साथ रखने की अपील की है. इसके बाद शाह ने महाराष्ट्र के शीर्ष बीजेपी नेताओं को फोन कर इस बारे में विचार करने के निर्देश दिए हैं.